दिनांक 22 अगस्त 2014 को जैप ग्राउण्ड मैदान, डोरण्डा, राँची में पूर्वाह्न 11 बजे झारखण्ड पुलिस द्वारा राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के अवसर पर माननीय राज्यपाल का अभिभाषणः—

राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन हेतु मैं झारखण्ड सशस्त्र पुलिस की सराहना करता हूँ। इस प्रकार के आयोजनों से हमारे पुलिस कर्मियों में अपने काम के प्रति नये जोश की भावना तो पैदा होती ही है, साथ ही उनमें असीम सहयोग व टीम भावना भी विकसित होती है। खेल के जरिये भी उन्हें एक—दूसरे से सीखने का मौका मिलता है। संघर्ष, जुनून व अनुशासन से ही विजय अ थवा सफलता प्राप्त की जा सकती है, जो खेल और खिलाड़ियों में हमें देखने को मिलता है।

मैं इस अवसर पर पुलिस पदाधिकारियों/कर्मियों से कहना चाहूँगा कि पुलिस राज्य के शासन का चेहरा होता है। किसी भी मुल्क अथवा सूबे की तरक्की वहाँ की विधि—व्यवस्था पर निर्भर करती है, चाहे वह आन्तरिक हो या बाह्य। इसलिए पुलिस प्रशासन को सदैव अपना काम पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ हर हाल में करना होगा। राज्य का प्रत्येक व्यक्ति अपने को महफूज महसूस करें, राज्य में शान्ति व्यवस्था कायम रहे, इस दिशा में हमारे पुलिस बल मुस्तैदी से कार्य करें।

अपराध पर नियंत्रण हेतु आपको गतिशील होकर काम करना है। इसके लिए आपको अनुसंधान की प्रक्रिया को भी तेज करने होंगे, ताकि अपराधी जल्द आपके गिरफ्त में हो तथा कानूनसम्मत कार्रवाई की जा सके। यदि आप इस दिशा में तेजी से काम करेंगे तो अवाम भी खुले दिल से आपकी तारीफ व सराहना करेंगे। इन्सान की मानसिकता व सोच होती है कि आप बहुत अच्छे काम करेंगे लेकिन यदि कुछ में कामयाबी समय पर न मिलें, तो आपकी आलोचना होगी ही। इसका कारण है पीड़ित को समय पर इन्साफ न मिल पाना। हमारे पुलिस पदाधिकारी/कर्मी पीड़ित को इन्साफ दिलाने के लिए पूरी समर्पित भाव से काम करें, इससे लोगों का विश्वास जीता जा सकता है। मेरा मानना है कि प्रभावी और बेहतर अनुसंधान के लिए आपको जनता का भी सहयोग एवं समर्थन चाहिए।

मेरी अपील है कि जनता से पुलिस पदाधिकारी/कर्मी शालीनता से पेश आयें। सभी की शिकायतों को केस डायरी में दर्ज कर मामले का निबटारा तेजी से किया जाय। ऐसा नहीं करने से पुलिस के प्रति जनता की यही धारणा हो जाती है कि "पुलिस के चक्कर में नहीं पड़ना चाहिये।" कभी–कभी तो जनता का गुस्सा इतना हो जाता है कि लोग कहने लगते हैं कि एफ.आई.आर. दर्ज कराकर ही क्या होगा? लेकिन ये गलत है जनता को कानून पर भरोसा करना होगा। कानून की नजर में सभी बराबर हैं और हमारे पुलिस परिवार की सभी को इन्साफ दिलाने में बड़ी अहम भूमिका है। मैं यही उम्मीद करता हूँ आप मुस्तैदी से अपना काम कानून के दायरे में रहते हुए करें और किसी के दबाव में न आयें।

अन्त में मैं इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन की कामना करता हूँ और आप सबको शुभकामनायें देता हूँ।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!